महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान
वेद विद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो. जवासिया, उज्जैन(मध्य प्रदेश)-456006
फोन नं.(0734) 2502266, 2502254 फैक्स (0734) 2502253 Website : msrvvp.ac.in Email : msrvvpujn@gmail.com

प.सं. 22-1/2018 (शै.)/मसारावेविप्र/ दिनांक :25.07.2018

वेदाध्यापक हेतु सम्परीक्षण अधिसूचना

प्रतिष्ठान द्वारा अनुदानित गुरु-शिष्य परम्परा योजना इकाइयों के रिक्त स्थानों पर अध्यापकों की व्यवस्था हेतु सम्परीक्षण में आमंत्रित करने हेतु विज्ञापन

महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा वेदों के सस्वर मौखिक उच्चारण की अक्षुण्ण परम्परा को जीवित रखने के उद्देश्य से देशभर में अनुदानित गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों के अन्तर्गत अध्यापकों के रिक्त स्थानों पर (**अनुलग्नक– 1 अनुसार**) अध्यापक की व्यवस्था करने हेतु इच्छुक वेद विद्वान आवेदन के साथ सम्परीक्षण में आमंत्रित किए जा रहे हैं।

अध्यापकों के रिक्त स्थानों को भारत सरकार के अधीन कोई पद न माना जाए। यह व्यवस्था प्रतिष्ठान की गुरु-शिष्य परम्परा योजनान्तर्गत केवल अध्यापकों के रिक्त स्थानों पर भारत सरकार से मान्देय के तहत अस्थाई रूप से अध्यापकों की व्यवस्था के रूप में मान्य की जाएगी।

(1) **वेद की अलग-अलग शाखाओं में कुल रिक्त स्थानों की संख्या :**

(अ) सम्पूर्ण देश में (उत्तर-पूर्वी राज्यों को छोड.कर) : 26 स्थान
(आ) उत्तर-पूर्वी राज्यों में : 05 स्थान

(2) **सम्परीक्षण दिनांक :**

(अ) **13 अगस्त, 2018 :** अंडमान एवं निकोबार द्विप समूह, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, आसाम, चण्डीगढ, दादर एवं नागर हवेली, दमन एवं दीव, कर्नाटक, केरल, लक्ष्यद्वीप, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, ओडिशा, पुडुचेरी, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल में नवीन गुरु-शिष्य परम्परा ईकाई आरम्भ करने के इच्छुक आवेदकों के लिए।

(आ) **14 अगस्त, 2018 :** बिहार, छत्तीसगढ., दिल्ली, गोवा,गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड में नवीन गुरु-शिष्य परम्परा ईकाई आरम्भ करने के इच्छुक आवेदकों के लिए।

(3) **आवश्यक योग्यता :** वेद अध्यापक की सस्वर अध्ययन में योग्यता हेतु **अनुलग्नक– 2** का अवलोकन करें।

(4) **सम्परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु आवश्यक दस्तावेज :** आवेदन पत्र के साथ शैक्षणिक योग्यता के समस्त प्रमाण पत्रों की छायाप्रति संलग्न करें। **दस्तावेजों के सत्यापन हेतु शैक्षणिक योग्यता के समस्त वास्तविक प्रमाण पत्र सम्परीक्षण के समय प्रस्तुत करना अनिवार्य है।**

(5) **सम्परीक्षण का समय : प्रातः 10:00 बजे से।**

(6) **स्थान :** ऐतरेय भवन/ दयानन्द सभागार, महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, वेद विद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पोस्ट – जवासिया, उज्जैन – 456006, मध्यप्रदेश।

नोट : (1) सम्परीक्षण हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता एवं रहने एवं भोजन की व्यवस्था प्रतिष्ठान द्वारा नहीं की जाएगी।

(2) वेद की किसी भी शाखा में संहिता एवं विकृतिपाठ में कंठस्थ, उच्चारण में दक्ष अभ्यर्थी ही सम्परीक्षण में उपस्थित हों।

(3) कोई भी अभ्यर्थी जो पूर्व में किसी भी संदर्भ में गुरु-शिष्य परम्परा ईकाई आरम्भ करने हेतु आवेदन कर चुके हैं, उन्हें भी इस विज्ञापन के संदर्भ में पुनः आवेदन के साथ अपने सम्पूर्ण वास्तविक शैक्षणिक प्रमाण पत्र के साथ सम्परीक्षण में उपस्थित होना आवश्यक है।

25.7.18

सचिव, महर्षि-सान्दीपनि-राष्ट्रिय-वेदविद्या-प्रतिष्ठान, उज्जैन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान
वेद विद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो. जवासिया, उज्जैन(मध्य प्रदेश)-456006
फोन नं.(0734) 2502266, 2502254 फैक्स (0734) 2502253
Website : msrvvp.ac.in Email : msrvvpujn@gmail.com

प.सं. 22-1/2018 (शै.)/मसारावेविप्र/ दिनांक :25.07.2018

वेदाध्यापक हेतु सम्परीक्षण अधिसूचना के साथ अनुलग्नक - 1

प्रतिष्ठान द्वारा अनुदानित गुरु-शिष्य परम्परा योजना इकाइयों के रिक्त स्थानों पर अध्यापकों की व्यवस्था हेतु सम्परीक्षण में आमंत्रित करने हेतु विज्ञापन

महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा वेदों के सस्वर मौखिक उच्चारण की अक्षुण्ण परम्परा को जीवित रखने के उद्देश्य से देशभर में अनुदानित गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों के अन्तर्गत अध्यापकों के रिक्त स्थानों पर अध्यापक की व्यवस्था करने हेतु इच्छुक वेद विद्वान आवेदन के साथ सम्परीक्षण में आमंत्रित किए जा रहे हैं।

अध्यापकों के रिक्त स्थानों को भारत सरकार के अधीन कोई पद न माना जाए। प्रतिष्ठान की गुरु-शिष्य परम्परा योजनान्तर्गत केवल अध्यापकों के रिक्त स्थानों पर भारत सरकार से मान्देय के तहत अस्थाई रूप से अध्यापकों की व्यवस्था के रूप में मान्य की जाएगी।

(अ) देश के मैदानी राज्यों में (उत्तर-पूर्वी राज्यों को छोड.कर) राज्य अनुसार वेदअध्यापकों के रिक्त स्थानों का विवरण :

क्र.सं.	राज्य	वेद / शाखा (पूर्व में वेद अध्यापक को अनुदान जारी किया गया है)	रिक्त स्थानों की संख्या
1	आंध्रप्रदेश	कृष्ण यजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा	3
		सामवेद कौथुम शाखा	1
		ऋग्वेद शाकल शाखा	1
2	बिहार	अथर्ववेद शौनक शाखा	1
		शुक्ल यजुर्वेद माध्यान्दिन शाखा	1
3	दिल्ली	शुक्ल यजुर्वेद माध्यान्दिन शाखा	1
4	कर्नाटक	कृष्ण यजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा	1
		ऋग्वेद शाकल शाखा	2
		सामवेद कौथुम शाखा	1
5	केरल	ऋग्वेद शाकल शाखा	1
6	महाराष्ट्र	शुक्ल यजुर्वेद माध्यान्दिन शाखा	2
		ऋग्वेद शाकल शाखा	1
		अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा	1

7	ओडिशा	शुक्ल यजुर्वेद माध्यान्दिन शाखा	1
		शुक्ल यजुर्वेद काण्व शाखा	1
		अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा	1
8	पंजाब	शुक्ल यजुर्वेद माध्यान्दिन शाखा	1
9	तमिलनाडु	कृष्ण यजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा	1
		ऋग्वेद शाकल शाखा	1
10	उत्तरप्रदेश	शुक्ल यजुर्वेद माध्यान्दिन शाखा	2
11	उत्तराखण्ड	शुक्ल यजुर्वेद माध्यान्दिन शाखा	1
	कुल रिक्त स्थानों की संख्या		**26**

(ब) उत्तर-पूर्वी राज्यों में वेदअध्यापकों के रिक्त स्थानों का विवरण :

क्र.सं.	राज्य	वेद / शाखा (पूर्व में वेदाध्यापक को अनुदान जारी किया गया है)	रिक्त स्थानों की संख्या
1	असम	शुक्ल यजुर्वेद माध्यान्दिन शाखा	2
		ऋग्वेद शाकल शाखा	1
		सामवेद कौथुम शाखा	1
		अथर्ववेद शौनक शाखा	1
	कुल रिक्त स्थानों की संख्या		5

नोट :

(1) उक्त वेद अध्यापकों के रिक्त स्थानों पर वेद/ शाखा तथा राज्य अनुसार योग्य अध्यापक नहीं पाए जाने पर वेद/शाखा तथा राज्य अनुसार रिक्त स्थानों पर वेद की सभी शाखाओं के संरक्षण, संवर्धन तथा विविध राज्यों में प्रचार-प्रसार को ध्यान में रखकर रिक्त अध्यापकों की संख्या के अन्तर्गत परिवर्तन करने का पूर्ण अधिकार प्रतिष्ठान के सचिव के पास सुरक्षित रहेगा।

(2) प्रतिष्ठान द्वारा वेदों की विभिन्न शाखाओं के देश के अलग-अलग राज्यों में संरक्षण, संवर्धन तथा प्रचार-प्रसार के उद्देश्य को ध्यान में रखकर वेद अध्यापकों के रिक्त स्थानों को निम्नानुसार पूर्ण किया जाएगा :

(अ) अध्यापकों के जिन रिक्त स्थानों पर जिस वेद की शाखा के छात्र पूर्व से ही अध्ययनरत हैं, वहां पर उसी वेद की उसी शाखा के अध्यापक से रिक्त स्थान को पूर्ण किया जाएगा।

(ब) अध्यापकों के वेद अनुसार रिक्त स्थानों पर किसी कारण वश अध्यापक उपलब्ध नहीं हैं, और उनके अधीन छात्र भी नहीं हैं, उस स्थिति में वेद अध्यापक के रिक्त स्थान पर किसी अन्य वेद की अन्य शाखा के अध्यापक से अन्य स्थान पर भी पूर्ण करने का अधिकार प्रतिष्ठान सचिव के पास सुरक्षित रहेगा।

(स) अध्यापकों के रिक्त स्थानों पर सम्परीक्षण करने पर वेद की विभिन्न शाखाओं में योग्य अध्यापकों की एक सूची बनायी जायेगी, जिसकी मान्यता एक वर्ष की रहेगी।

सचिव, महर्षि-सान्दीपनि-राष्ट्रिय-वेदविद्या-प्रतिष्ठान, उज्जैन

अनुलग्नक - 2

गुरु-शिष्य परम्परा योजना इकाइयों में

वेद-गुरु के लिए साक्षात्कार अधिसूचना

(सम्पूर्ण देश एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए)

महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की वेदों की मौखिक परंपरा को अक्षुण्ण बनाये रखने की योजना के अन्तर्गत गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों में वेद-गुरु का प्रबंधन

महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की शासी परिषद् द्वारा म.सां.रा.वे.वि.प्र. सचिव को सौंपी गई शक्ति के अनुसरण में वेदों की मौखिक परंपरा को अक्षुण्ण बनाये रखने की योजना के अन्तर्गत महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान में रिक्त स्थानों में वेद-गुरु के नियोजन के लिए गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों में देशभर में 26 एवं पूर्वोत्तर राज्यों में 5 पांच वेद-गुरुओं के अस्थायी पूर्ति के लिए अधिसूचित किया जा रहा है।

अतः वेद गुरुओं के रूप में अस्थायी अध्यापन व्यवस्था में जुडने के इच्छुक पात्र उम्मीदवार, जो वेद की मौखिक परंपरा में निम्नलिखित योग्यता रखते हैं/ वैदिक परंपरा के अनुसार वेद का सस्वर अध्ययन किया हो (कोई भी शाखाओं में से)) साक्षात्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं ।

क्रमांक	अध्यापन व्यवस्था	वेद-गुरु -संख्या	क्षेत्र	आयु सीमा	विशिष्ट वेद शाखा पर निर्णय
1	वेद-गुरु -गुरु-शिष्य परम्परा इकाई के अन्तर्गत	पांच	**केवल पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए** किसी भी परिस्थिति में क्षेत्र परिवर्तन या स्थानांतरण कभी भी स्वीकार्य नहीं होगा।	न्यूनतम 21 वर्ष तथा अधिकतम 40 वर्ष	वेद की प्राथमिकता/प्रसिद्ध/ दुर्लभ शाखा का किसी क्षेत्र आदि में छात्रों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए विशिष्ट शाखा के लिए अध्यापक नियोजन पर म.सां.रा.वे.वि.प्र. द्वारा निर्णय लिया जायेगा।
2	वेद-गुरु -गुरु-शिष्य परम्परा इकाई के अन्तर्गत	छब्बीस	**सम्पूर्ण देश में (पूर्वोत्तर राज्यों को छोड.कर)** किसी भी परिस्थिति में क्षेत्र परिवर्तन या स्थानांतरण कभी भी स्वीकार्य नहीं होगा।	न्यूनतम 21 वर्ष तथा अधिकतम 40 वर्ष	वेद की प्राथमिकता/प्रसिद्ध/ दुर्लभ शाखा का किसी क्षेत्र आदि में छात्रों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए विशिष्ट शाखा के लिए अध्यापक नियोजन पर म.सां.रा.वे.वि.प्र. द्वारा निर्णय लिया जायेगा।

1. **वेद के सस्वर अध्ययन में आवश्यक योग्यता**

म.सां.रा.वे.वि.प्र. के वेद-विभूषण / सस्वर वेद में कोई अन्य उच्च योग्यता / वेद की मौखिक परंपरा में / वेद के सस्वर अध्ययन के साथ (विशेषज्ञों द्वारा अनुमोदित वैदिक परंपरा के अनुसार शाखाओं में से किसी एक में) विश्वविद्यालयों से प्राप्त डिग्री / किसी एक वेद के सस्वर अध्ययन में अत्यन्त प्रतिष्ठित वैदिक संस्थानों द्वारा पारंपरिक प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित क्रम पाठी / घानपाठी।

2. **वांछनीय योग्यता**

विश्वविद्यालयों / संस्थानों से औपचारिक योग्यता के साथ संस्कृत भाषा और वेद भाष्य का अच्छा ज्ञान हो।

3. **वेद गुरु के रूप में अध्यापन व्यवस्था के लिए मानदेय**

म.सां.रा.वे.वि.प्र. द्वारा प्रति माह 10,000 /- रुपये (वृद्धि की सम्भावना है) मानदेय का भुगतान किया जाएगा।

4. **गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों के अन्तर्गत वेद-गुरु के रूप में कर्तव्य**

(अ) गुरु-शिष्य परम्परा इकाई के अन्तर्गत अध्यापन मे निरत प्रत्येक वेद-गुरु को वेद की मौखिक परंपरा में वेद-भूषण (5 वर्ष) और वेद विभूषण (2 वर्ष) नामक कुल सात वर्षीय पाठ्यक्रम प्रणाली के लिए या तो गुरु के निवास पर या वेद-गुरु द्वारा अपने विवेकाधिकार पर चुने गए किसी अन्य स्थान पर अधिकतम 10 छात्रों को वेद के स्वर अध्यापन (कोई भी वेदिक परंपरा के अनुसार शाखाओं में से एक) पढ़ाना होगा । म.सां.रा.वे.वि.प्र. प्रत्येक कोई किराया / पट्टा राशि का भुगतान नहीं करेगा ।

(ब) सात वर्षीय पाठ्यक्रम प्रणाली में सस्वर वेद अध्यापन कराना तथा परीक्षा के लिए 10 छात्रों को तैयार करना वेद गुरु की पूर्ण ज़िम्मेदारी रहेगी और छात्रों के समग्र व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार आधुनिक विषयों में भी म.सां.रा.वे.वि.प्र. की परीक्षा के लिए 10 छात्रों को भी तैयार कराना होगा ।

(स) छात्रों को अपने अधीन अध्यापन हेतु अङ्गीकार के बाद और सात साल तक अध्ययन पूरा किए बिना, सस्वर वेद अध्ययन के मध्य में वेद छात्रों को वेद गुरु नहीं छोड़ सकते । किसी भी परिस्थिति में क्षेत्र परिवर्तन या स्थानांतरण कभी भी स्वीकार्य नहीं होगा ।

(द) वेद गुरु को अपने छात्रों द्वारा वेदों की मौखिक परंपरा को सीखने की समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

5. **गुरु- शिष्य परम्परा योजना के अन्तर्गत म.सां.रा.वे.वि.प्र. की जिम्मेदारी**

(अ) म.सां.रा.वे.वि.प्र. 84 महीने के लिए वेद गुरु को प्रत्येक वेद छात्र के रखरखाव (भोजन, आवास, कपड़े इत्यादि) व्यय केलिए प्रति माह-गणना के अनुसार प्रति छात्र रु 1500 /- (वृद्धि की सम्भावना है) नियमित- उपस्थिति और परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर कुछ शर्तों के अधीन - वैदिक अध्ययन आदि में संतोषजनक प्रगति के आधार पर प्रतिपूर्ति / भुगतान करेगा ।

(ब) उपर्युक्त भुगतान वेद गुरु के बैंक खाते में किया जाएगा और उसे गुरु के लिए वैदिक परंपरा के नियम के अनुसार भोजन, आवास, कपड़े इत्यादि की व्यवस्था करनी होगी।

(स) म.सां.रा.वे.वि.प्र. प्रत्येक महीने में, प्रत्येक वेद छात्र के स्व-व्यय हेतु प्रति माह-गणना के अनुसार रु 500/- (वृद्धि की सम्भावना है) - नियमित- उपस्थिति और परीक्षा में उत्तीर्ण होने और संतोषजनक प्रगति इत्यादि कुछ शर्तों के अधीन, छात्र-अभिभावक के संयुक्त बैंक खाते में ही भुगतान करेगा।

(द) म.सां.रा.वे.वि.प्र. वेद की मौखिक परंपरा में वेद के सस्वर सीखने के साथ (वेदिक परंपरा के अनुसार शाखाओं में से कोई भी) वेद-भूषण (5 वर्ष) और वेद विभूषण (2 वर्ष) नामक सात साल के पाठ्यक्रम की परीक्षा आयोजित करेगा ।

(ई) म.सां.रा.वे.वि.प्र. की प्रक्रिया के अनुसार ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वेद गुरु / छात्र की जांच, पूछताछ, गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों से निष्कासित या प्रतिस्थापन करने की सभी शक्तियां प्रतिष्ठान के पास होंगी।

6. **गुरु-शिष्य परम्परा इकाई के अन्तर्गत वेद-गुरु के रूप में अध्यापन व्यवस्था की अन्य शर्तें**

(क) वेद-गुरु के रूप में वेदों की अध्यापन व्यवस्था पूरी तरह अस्थायी है और यह न किसी पद-आधारित नियुक्ति का आश्वासन, न तो पद है और न ही पद-आधारित नियुक्ति है।

(ख) म.सां.रा.वे.वि.प्र. में वेद गुरुओं को स्थायी बनाने का कोई नियम नहीं है। वेद-गुरु को योजना के अध्यापन व्यवस्था के लिए मानदेय का भुगतान किया जाएगा ।

(ग) भारत सरकार से प्राप्त वित्त पोषण एवं अनुदान को ध्यान में रखकर छात्र संख्या को म.सां.रा.वे.वि.प्र. 10 से कम भी कर सकता है। इस पर पूर्ण निर्णय प्रतिष्ठान का होगा।

(घ) म.सां.रा.वे.वि.प्र. इस साक्षात्कार/चयन प्रक्रिया को बिना किसी कारण बताए रद्द /निरस्त / पूर्ण रोक / स्थगित कर सकता है।

(ङ) किसी भी विवाद के मामले में, न्याय निर्णय के लिए क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार मध्य प्रदेश का माननीय उच्च न्यायालय, इंदौर बेंच का ही होगा।

(च) किसी भी प्रभाव / पक्ष को लाने से इकाई को अयोग्य माना जाएगा।

यदि उपर्युक्त शर्तों पर अभ्यर्थी की पूर्ण सहमति हो तो इच्छुक योग्य उम्मीदवार केवल **सम्पूर्ण देश एवं पूर्वोत्तर राज्यों** में वेद-गुरु के रूप में सस्वर वेद अध्यापन कराने के लिए अध्यापन व्यवस्था हेतु म.सां.रा.वे.वि.प्र., उज्जैन में अपने व्यय से दिनांक 13-08-2018 एवं 14-08-2018 को (सम्परीक्षण अधिसूचना में देश के अलग-अलग राज्यों के उम्मीदवारों हेतु निर्धारित दिनांक अनुसार) भरे हुए आवेदन पत्र एवं सभी मूल प्रमाण पत्र के साथ साक्षात्कार के लिए उपस्थित हो सकते हैं।

सचिव, महर्षि सांदीपनि राष्ट्रिय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत शासन का स्वायत्तशासी संस्थान)
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, उज्जैन - 456006 (म.प्र.)

Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan, Ujjain
Autonomous Organization under M/o HRD, Govt of India
Vedavidya Marg, Chintaman Ganesh, Ujjain-456006

गुरुशिष्य परम्परा योजना में वेद अध्यापक सम्परीक्षण हेतु आवेदन पत्र/
Application for Interview Veda Adhyapak under Guru-Shishya Parampara Scheme

इस आवेदन पत्र को डाक द्वारा नहीं भेजना है। आवेदन पत्र पूर्ण भर कर समस्त दस्तावेजों की छायाप्रति संलग्न कर, सम्परीक्षण दिनांक पर मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना है।
Do not send this application by post. Bring filled in application form, with the photocopy of all the documents, along with original documents on the samparikshan date.

किस क्षेत्र के लिये आवेदन किया है /Region for which applied :

(1) **पूर्वोत्तर राज्य छोडकर सभी राज्य**/All India except North East Region [....]

(2) **पूर्वोत्तर राज्य**/North East Region [....]

[उपर्युक्त बाक्स में किसी एक को चिह्नित करें(✓)/Select any one in above Box (✓)]

ध्यान दें: साक्षात्कार का उद्देश्य है स्वर संचालन, कण्ठस्थीकरण और उच्चारण जैसे सभी के पहलुओं, वेद में ज्ञान एवं व्याख्यान देने में क्षमता को संभावित अध्यापक की पूर्ण प्रवीणता की परीक्षा करना है। गुरु शिष्य इकाइयों की नीति-नियमावली के अनुसार, वेद अध्यापक के अस्थायी सेवाएं इस योजना के तहत ली जाएंगी और यह पूरी तरह अस्थायी और मानदेय पर आधारित है, स्थायी नहीं है। किसी भी रूप में चयन हेतु दबाव अथवा सिफारिश डालना स्वयं की अयोग्यता होगी।

NOTE : Walk-in-interview is intended to assess the complete proficiency of the prospective Veda Adhyapaka in all aspects like Swara, Smriti memorization and recitation of Veda, of Veda, knowledge and capacity to give discourse on Veda. As per the policy for GSP Units, olny temporary engagement for Veda Adhyapaka will be done under the scheme on honorarium basis. Canvassing in any form will be a disqualification.

वेद एवं शाखा में अध्यापन सेवा हेतु आवेदन
Applied for Veda and Branch ....

सस्वर वेद अध्ययन सम्पन्न/Saswar Veda Adhyayan Completed :

संहिता [....] पद [....] क्रम [....] जटा [....] घन [....]

[उपर्युक्त बाक्स में किसी एक को चिह्नित करें(✓)/Select any one in following Box (✓)]

आवेदक वैदिक का नाम
Name of the Applicant-Vaidik ....

पिता / पति का नाम
Father's/Husband's Name ....

माता का नाम
Mother's Name ....

जन्मतिथि /Date of Birth ....

आयु /Age ....

कृपया नवीनतम पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटो चिपकाना अनिवार्य है।
It is compulsory to paste the latest passport size color photo.

जन्म स्थान/Place of Birth ....

आधार नम्बर/Adhar No. ....

नागरिकता/Citizenship ....

पता/Address

अ) स्थायी पता ....
Permanent Address ....

ब) पत्राचार का पता ....
Address for Communication ....

दूरभाष/मोबाईल न.
Telephon/Mo. No. ....

ई-मेल का पता
E-mail ID (Compulsory) ....

शैक्षणिक योग्यता/ Academic Qualification

प्रतिष्ठान द्वारा संचालित वेद परीक्षा में उत्तीर्णता का सम्पूर्ण विवरण :-
Full details of the Vedic examination conducted by the Prathishthan :-

परीक्षा का नाम Name of Exam	विद्यालय का नाम Name of Pathashala	उत्तीर्णता वर्ष Passing Year	श्रेणी Class	विषय Subject
वेद विभूषण Veda Vibhushan				

अन्य किसी प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा संचालित वेद परीक्षा में उत्तीर्णता का पूर्ण विवरण :-
Full details of the Vedic examination conducted by the Other organization :-

परीक्षा का नाम Name of Exam	परीक्षा संचालक संस्था का नाम Name of Exam Organization	उत्तीर्णता वर्ष Passing Year	श्रेणी Class	वेद विषय Veda Subject

गुरु परम्परा/ Guru-tradition

वेद अध्यापक के गुरु का नाम
Name of the Guru ....

गुरु का पता ....
Address of the Guru ....

दूरभाष / मोबाईल नं.
Telephone No./Mobile no. ....

ई-मेल का पता/ Email Id ....

वेद भाष्य में उत्तीर्ण परीक्षा का सम्पूर्ण विवरण /Any Examination qualified in Veda Bhashya -

परीक्षा का नाम Name of Exam	परीक्षा संचालक संस्था का नाम Name of the organization conducting examination	उत्तीर्णता वर्ष Year in which passed	श्रेणी Class	शास्त्र विषय Subject of Shastras

किसी शास्त्र में उत्तीर्ण परीक्षा का सम्पूर्ण विवरण /Any Shastra Examination Passed -

परीक्षा का नाम Name of Exam	परीक्षा संचालक संस्था का नाम Name of the organization conducting examination	उत्तीर्णता वर्ष Year in which passed	श्रेणी Class	अध्ययन विषय Subject studied

संस्कृत भाषा में उत्तीर्ण परीक्षा का सम्पूर्ण विवरण /Any Examination qualified in Sanskrit -

परीक्षा का नाम Name of Exam	परीक्षा संचालक संस्था का नाम Name of the organization conducting examination	उत्तीर्णता वर्ष Year in which passed	श्रेणी Class	अध्ययन विषय Subject studied

योग में उत्तीर्ण परीक्षा का सम्पूर्ण विवरण /Any Examination qualified in Yoga -

परीक्षा का नाम Name of Exam	परीक्षा संचालक संस्था का नाम Name of the organization conducting examination	उत्तीर्णता वर्ष Year in which passed	श्रेणी Class	अध्ययन विषय Subject studied

आधुनिक योग्यता/Modern Qualification

परीक्षा का नाम Name of Exam	बोर्ड/विश्वविद्यालय Board/University	विद्यालय का नाम Name of the School or College	उत्तीर्ण वर्ष Year of Passing	श्रेणी Class	विषय Subjects
पूर्वमध्यमा / माध्यमिक /10					
उत्तरमध्यमा / उच्चतर माध्यमिक + 2					
शास्त्री /स्नातक/ Graduate					
आचार्य / परास्नातक/ Post Graduation					
विशिष्टाचार्य / एम.फिल. M.Phil					
विद्यावारिधि / पी-एच. डी./ Ph.D.					

वेद् में अध्यापनानुभव/Experience in teaching Veda

संस्था का नाम/ Name of the Institute	कक्षा का विवरण/ Class taught	दिनांक/Date		मानदेय/वेतन/ Honorarium	त्यागने का कारण/ Reasons for leavin
		आरम्भ/ from	निर्गमन / to		

आज तक, वेद में कितने समर्पित शिष्य तैयार किये हैं जो वेद विद्या के अध्ययन एवं अध्यापन में समर्पित हैं? अधिकाधिक पाँच नामोल्लेख करें -

Till date, how many dedicated disciples have been produced in the Veda, who are keeping the mantle of Veda enkindled? Note maximum of 5 Names -

शिष्य - परम्परा/ Disciple – tradition

शिष्य का नाम Disciple Name	शिष्य का पता Address of the Disciple	दूरभाष / मोबाईल नं. Mobile No.	ई-मेल का पता E-mail id

प्रतिष्ठान द्वारा संचालित वेद सम्मेलन में भागग्रहण का संपूर्ण विवरण

Participation in Veda Sammelan conducted by Pratishthan

क्रमांक Sl.No.	वेद सम्मेलन का स्थान / Place of Veda Sammelan	दिनांक / Date	राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/ National/Regional	व्याख्यान/वेद पारायण Lecture/Veda Parayana

अन्य किसी प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा संचालित वेद सभा/वेद् सम्मेलन में भागग्रहण का विवरण /Participation in Veda-Sabha/ Veda Sammelan conducted by Other reputed organisations

क्रमांक Sl.No.	वेद् सभा सम्मेलन आयोजित करने वाली संस्था Organisation which conducted Veda Sabha/Sammelan	स्थान/ Place	दिनांक / Date	व्याख्यान/वेद् पारायण Lecture/Veda Parayana

अन्तर्-राष्ट्रीय / राष्ट्रीय / राज्य स्तरीय प्राप्त पुरस्कार विवरण/

Details on Inter-national / National / State Level Awards Received -

----

अन्य महत्त्वपूर्ण सूचना/ Any other important information -

मैं घोषणा करता/करती हूँ कि आवेदन पत्र में दी गयी सभी सूचनाएँ मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुरूप सत्य हैं और पूर्ण हैं। मैं समझता/समझती हूँ कि अगर कोई भी जानकारी झूठी और गलत पाई जाती है तो महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा मेरे विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है, और वेद् अध्यापक की सेवा को बिना किसी सूचना के तुरन्त समाप्त कर दिया जाएगा।

यदि मेरा चयन किया जाता है तो, मैं 7 वर्षीय वेद् पाठ्यक्रम- वेद-भूषण और वेद विभूषण परीक्षा के लिए वेद एवं आधुनिक पाठ्यक्रम को समयबद्ध तरीके से महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा संचालित गुरु-शिष्य परम्परा योजना के नियम/विनियमों के अनुरूप पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ तथा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या

प्रतिष्ठान, उज्जैन / वेद पाठशाला (यदि पाठशाला से जुड़ा हुआ है तो) के आदेशों का पालन करूँगा/करूँगी।

मैं यह मानता/मानती हूँ कि मैं 7 साल तक वेद सीखने के लिए माता-पिता द्वारा सौंपे गये वेद छात्रों का गुरुकुल नियमानुसार और उनके माता-पिता की इच्छाओं के अनुरुप उनका ख्याल रखूँगा/रखूँगी।

इसके अलावा, मुझे पता है कि गुरु-शिष्य परम्परा योजना के तहत वेद शिक्षण के कार्य के दौरान किसी भी अन्य क्षेत्र/स्थान पर मेरा कोई स्थानांतरण नहीं होगा और मैं किसी भी प्रकार के स्थानान्तरण का अनुरोध नहीं करूँगा/करूँगी।

I hereby declare that all the statements made in the application form are true and complete to the best of my knowledge and belief. I understand that action can be taken against me by MSRVVP, if any of the information is found false and engagement as Veda Teacher shall be terminated immediately without any notice.

I will abide by the rules/regulations of the Guru-Shishya Parampara Scheme operated by MSRVVP and orders of MSRVVP/Veda Pathashala (if attached to the Patahshala) to complete the 7year Veda Syllabus and modern course for Veda-Bhushana and Veda Vibhushana examination of the Pratishthan, in time bound manner.

Further I undertake that if selected, I will take care of Veda students of entrusted to me by the Parents for learning of Veda for 7 years and I will take care of them, in accordance with the rules of Gurukula and the wishes of their parents.

Further, I know that there will not be any transfer to any other region/place during the assignment of Veda teaching under Guru-Shishya Parampara Scheme and I will not request for any type of transfer.

स्थान /Place : ....

दिनांक /Date : .... हस्ताक्षर/Signature

....

(पूरा नाम/Full name)

संलग्न प्रमाण पत्रों/अभिलेखों के प्रतियों की सूची/List of copies certificates/documents enclosed

1. -- 8. --
2. -- 9. --
3. -- 10. --
4. -- 11. --
5. -- 12. --
6. -- 13. --
7. -- 14. --

सूचना : अधोलिखित दो प्रश्नों के हस्तलिखित उत्तर ले आना अनिवार्य है -

Notice: It is compulsory to bring a handwritten answers on the following two questions -

1. **मैं वेद अध्यापक क्यों बनना चाहता/चाहती हूँ ? /Why do I want to become a Vedic teacher?**
2. **मैं वेद पढ़ने वाले गुरु-शिष्य परम्परा के छात्रों का लालन-पालन एवं देखभाल किस प्रकार करूँगा/करूँगी।**

   How will I take care of and other arrangements for the students studying Veda under Guru-Shishya parampara?

1. **मैं वेद् अध्यापक क्यों बनना चाहता/चाहती हूँ ? /Why do I want to become a Vedic teacher?**

2. मैं वेद पढ़ने वाले गुरु-शिष्य परम्परा के छात्रों का लालन-पालन एवं देखभाल किस प्रकार करूँगा/करूँगी।

How will I take care of and other arrangements for the students studying Veda under Guru-Shishya parampara